

Demographic profile. Class structure and mobility

Social and Cultural Environment

Dr. Santosh Kumar Lal



Demographic Profile– Meaning



Demographic profile refers to the statistical characteristics of a population. It includes factors such as population size, age, gender, literacy, occupation, income, geographical distribution, birth rate, death rate, and migration.

Major Components of Demographic Profile:

1. Population Size and Growth

- Population size indicates the total number of people in a country or region.
- Population growth affects demand for goods and services, employment, housing, education, and healthcare.
- A growing population can provide a large consumer market as well as a large labour force.



2. Age Composition

- Population is generally divided into children, working-age people, and elderly people.
- A larger working-age population can increase the availability of labour.
- A high proportion of elderly people increases demand for healthcare and social-security services.

3. Gender Composition

- It refers to the distribution of population according to gender.
- Gender composition influences labour-force participation, household consumption, and social development.

4. Literacy and Education

- Literacy and educational levels indicate the quality and skill potential of the population.
- Higher education generally creates demand for skilled employment and knowledge-based products and services.



5. Urbanisation

- Urbanisation refers to the increasing concentration of population in towns and cities.
- It influences housing, transportation, infrastructure, retailing, entertainment, and other business activities.

6. Occupation

- Occupational structure shows how people are distributed among agriculture, manufacturing, services, and other occupations.
- Changes in occupational structure indicate economic and social transformation.

7. Migration

- Migration means movement of people from one geographical area to another.
- It may be temporary or permanent and may occur because of employment, education, marriage, or other factors.
- Migration changes the availability of labour and the pattern of consumption

Importance for Business:

Demographic characteristics help businesses identify target customers, market size, labour availability, consumer needs, and future market opportunities.

अर्थ:



जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल (Demographic Profile) से आशय किसी देश या क्षेत्र की जनसंख्या की सांख्यिकीय विशेषताओं से है। इसमें जनसंख्या का आकार, आयु, लिंग, साक्षरता, व्यवसाय, आय, भौगोलिक वितरण, जन्म-दर, मृत्यु-दर तथा प्रवास आदि शामिल होते हैं।

जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल के प्रमुख तत्व:

1. जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि

- जनसंख्या का आकार किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की कुल संख्या को दर्शाता है।
- जनसंख्या वृद्धि से वस्तुओं एवं सेवाओं, रोजगार, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की माँग प्रभावित होती है।
- बड़ी जनसंख्या व्यवसाय के लिए बड़ा बाजार और श्रम-बल उपलब्ध करा सकती है।



2. आयु संरचना

- जनसंख्या को सामान्यतः बच्चों, कार्यशील आयु वर्ग और वृद्ध वर्ग में बाँटा जाता है।
- कार्यशील जनसंख्या अधिक होने पर श्रम की उपलब्धता बढ़ सकती है।
- वृद्ध जनसंख्या अधिक होने पर स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सेवाओं की माँग बढ़ती है।

3. लिंग संरचना

- यह जनसंख्या में विभिन्न लिंगों के अनुपात को दर्शाती है।
- इसका प्रभाव श्रम भागीदारी, परिवार की खपत तथा सामाजिक विकास पर पड़ता है।

4. साक्षरता एवं शिक्षा

- शिक्षा का स्तर जनसंख्या की ज्ञान एवं कौशल क्षमता को दर्शाता है।
- उच्च शिक्षा से कुशल रोजगार तथा ज्ञान-आधारित वस्तुओं एवं सेवाओं की माँग बढ़ सकती है।



5. नगरीकरण

- नगरीकरण का अर्थ शहरों एवं कस्बों में जनसंख्या की बढ़ती एकाग्रता से है।
- इसका प्रभाव आवास, परिवहन, आधारभूत संरचना, खुदरा व्यापार और मनोरंजन जैसी गतिविधियों पर पड़ता है।

6. व्यावसायिक संरचना

- इससे पता चलता है कि लोग कृषि, उद्योग, सेवा आदि क्षेत्रों में किस प्रकार कार्यरत हैं।
- व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन का संकेत देता है।

7. प्रवास (Migration)

- एक स्थान से दूसरे स्थान पर लोगों के स्थानांतरण को प्रवास कहते हैं।
- यह रोजगार, शिक्षा, विवाह या अन्य कारणों से हो सकता है।
- प्रवास से श्रम की उपलब्धता तथा उपभोग के स्वरूप में परिवर्तन आता है।

व्यवसाय के लिए महत्व:

- जनसांख्यिकीय विशेषताओं की सहायता से व्यवसाय लक्षित ग्राहक, बाजार का आकार, श्रम की उपलब्धता, उपभोक्ता आवश्यकताओं तथा भविष्य के बाजार अवसरों को समझ सकते हैं।

Class Structure



- *Meaning:*

Class structure refers to the division of society into different social and economic groups on the basis of factors such as income, wealth, occupation, education, social status, and lifestyle.

- *Major Social Classes*

- 1. Upper Class*

- *Generally has high income, wealth, social status, and purchasing power.*
- *May demand premium and luxury products and services.*

- 2. Middle Class*

- *Generally consists of people with moderate and relatively stable income.*
- *Demand is often associated with education, housing, automobiles, consumer durables, financial services, and lifestyle products.*

- 3. Lower/Working Class*

- *Generally has comparatively lower income and purchasing power.*
- *Price, affordability, and essential consumption are often important considerations.*

Factors Determining Class Structure



- Income and wealth
- Occupation
- Education
- Social status
- Family background
- Lifestyle
- Access to resources and opportunities

Business Significance:

Different social classes may have different purchasing power, preferences, lifestyles, consumption patterns, and attitudes toward brands. Therefore, businesses often segment markets according to social and economic characteristics.

अर्थ:



वर्ग संरचना (*Class Structure*) से आशय समाज को आय, संपत्ति, व्यवसाय, शिक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन-शैली जैसे आधारों पर विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक वर्गों में विभाजित करने से है

- प्रमुख सामाजिक वर्ग

1. उच्च वर्ग

- सामान्यतः उच्च आय, संपत्ति, सामाजिक प्रतिष्ठा और क्रय-शक्ति वाला वर्ग।
- प्रीमियम तथा विलासिता की वस्तुओं और सेवाओं की माँग अधिक हो सकती है।

2. मध्य वर्ग

- सामान्यतः मध्यम एवं अपेक्षाकृत स्थिर आय वाले लोग।
- शिक्षा, आवास, वाहन, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, वित्तीय सेवाओं तथा जीवन-शैली से संबंधित वस्तुओं की माँग महत्वपूर्ण हो सकती है।

3. निम्न/श्रमिक वर्ग

- सामान्यतः तुलनात्मक रूप से कम आय एवं क्रय-शक्ति वाला वर्ग।
- कीमत, सामर्थ्य तथा आवश्यक वस्तुओं की खपत अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

वर्ग संरचना को प्रभावित करने वाले कारक



- आय एवं संपत्ति
- व्यवसाय
- शिक्षा
- सामाजिक प्रतिष्ठा
- पारिवारिक पृष्ठभूमि
- जीवन-शैली
- संसाधनों एवं अवसरों तक पहुँच

व्यवसाय के लिए महत्व:

अलग-अलग सामाजिक वर्गों में क्रय-शक्ति, पसंद, जीवन-शैली, उपभोग के तरीके और ब्रांड के प्रति दृष्टिकोण अलग हो सकते हैं। इसलिए व्यवसाय सामाजिक एवं आर्थिक विशेषताओं के आधार पर बाजार का विभाजन करते हैं।

Social Mobility



Meaning:

Social mobility refers to the movement of individuals or groups from one social or economic position to another.

Types of Social Mobility

1. Vertical Mobility

- Movement from one social or economic level to another.
- Upward mobility: Movement to a higher social/economic position.
- Downward mobility: Movement to a lower position.

Example: An employee becoming a senior executive represents upward mobility.



2. Horizontal Mobility

- Movement from one position to another without a major change in social status.

Example: A teacher moving from one school to another school at a similar position.

3. Inter-generational Mobility

- Change in social or economic status between generations.

Example: A child becoming a professional while the parents were engaged in a low-income occupation.

4. Intra-generational Mobility

- Change in a person's social or economic position during their own lifetime.

Example: A person starting as a junior employee and later becoming a manager.

Factors Affecting Social Mobility



Education

- *Economic development*
- *Urbanisation*

Industrialisation

- *Occupational opportunities*
- *Government policies*
- *Technological change*
- *Migration*
- *Social and cultural changes*

Business Significance:

Social mobility can create changes in income levels, aspirations, lifestyles, consumption patterns, and demand for products and services. Rising incomes may increase demand for better-quality and higher-value products.

अर्थ:



सामाजिक गतिशीलता (*Social Mobility*) से आशय किसी व्यक्ति या समूह के सामाजिक या आर्थिक स्तर में एक स्थिति से दूसरी स्थिति में परिवर्तन से है।

सामाजिक गतिशीलता के प्रकार

- 1. ऊर्ध्वाधर गतिशीलता (*Vertical Mobility*)
- सामाजिक या आर्थिक स्तर में ऊपर या नीचे परिवर्तन।
- ऊर्ध्वगामी गतिशीलता: उच्च सामाजिक/आर्थिक स्थिति की ओर बढ़ना।
- अधोगामी गतिशीलता: निम्न स्थिति की ओर जाना।
- उदाहरण: किसी कर्मचारी का वरिष्ठ अधिकारी बनना ऊर्ध्वगामी गतिशीलता का उदाहरण है।



2. क्षैतिज गतिशीलता (*Horizontal Mobility*)

- सामाजिक स्थिति में बड़े परिवर्तन के बिना एक स्थान या पद से दूसरे समान स्तर के स्थान/पद पर जाना।
- उदाहरण: एक शिक्षक का समान पद पर दूसरे विद्यालय में जाना।

3. अंतर-पीढ़ीगत गतिशीलता (*Inter-generational Mobility*)

- माता-पिता और उनकी संतान की सामाजिक या आर्थिक स्थिति के बीच परिवर्तन।
- उदाहरण: निम्न आय वाले व्यवसाय में कार्यरत माता-पिता का बच्चा उच्च-कुशल पेशे में जाना।

4. अंतर्पीढ़ीगत गतिशीलता (*Intra-generational Mobility*)

- व्यक्ति के अपने जीवनकाल में उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति में परिवर्तन।
- उदाहरण: जूनियर कर्मचारी से मैनेजर बनना।

सामाजिक गतिशीलता को प्रभावित करने वाले कारक



- शिक्षा
- आर्थिक विकास
- नगरीकरण
- औद्योगीकरण
- रोजगार के अवसर
- सरकारी नीतियाँ
- तकनीकी परिवर्तन
- प्रवास
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन

व्यवसाय के लिए महत्व:

- सामाजिक गतिशीलता से आय, आकांक्षाओं, जीवन-शैली, उपभोग के तरीकों तथा वस्तुओं एवं सेवाओं की माँग में परिवर्तन हो सकता है।

Conclusion



Demographic profile, class structure and social mobility are important elements of the socio-cultural environment. They influence consumers' income, lifestyle, aspirations, purchasing power and consumption patterns. Therefore, businesses must understand these factors while making market, product, pricing and promotional decisions.

जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल, वर्ग संरचना और सामाजिक गतिशीलता सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण के महत्वपूर्ण तत्व हैं। ये उपभोक्ताओं की आय, जीवन-शैली, आकांक्षाओं, क्रय-शक्ति और उपभोग के स्वरूप को प्रभावित करते हैं। इसलिए व्यवसायों को बाजार, उत्पाद, मूल्य निर्धारण और प्रचार संबंधी निर्णय लेते समय इन कारकों को समझना आवश्यक है।